भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या-1516**
उत्तर देने की तारीख-09/02/2026

## निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्रगति और भावी रोडमैप

**†1516. श्री शशांक मणि:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान दक्षता पहल 'निपुण भारत मिशन' के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है और वर्ष 2021 में इसके आरंभ के बाद से अब तक अधिगम संबंधी वास्तविक परिणाम क्या हैं;
(ख) क्या सरकार ने विशेषकर देश के ग्रामीण और आकांक्षी जिलों में सरकारी और सहायताप्राप्त विद्यालयों में मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान के संबंध में मिशन के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई स्वतंत्र मूल्यांकन या तृतीय-पक्ष मूल्यांकन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार का अधिगम संबंधी परिणामों की निरंतरता माध्यमिक विद्यालय तक सुनिश्चित करने के लिए मिशन के दायरे को कक्षा 3 से आगे बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री जयन्त चौधरी)**

(क) से (ग): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने दिनांक 5 जुलाई, 2021 को "राष्ट्रीय बोध पठन और संख्या ज्ञान दक्षता पहल (निपुण भारत)" नामक एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश के प्रत्येक बच्चे को कक्षा 2 के अंत तक अनिवार्यत:

मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त हो। एनईपी 2020 के अनुरूप यह मिशन स्कूल शिक्षा के लिए एकीकृत योजना- समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के तत्वावधान में स्थापित किया गया है। समग्र शिक्षा के तहत, सभी 36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निपुण-भारत मिशन को लागू कर रहे हैं। यह पहली बार है कि 3-8 वर्ष के आयु वर्ग को 5+3+3+4 संरचना में आधारभूत चरण में स्कूल निरंतरता में शामिल किया गया है, जिसमें बालवाटिका के 3 वर्ष और कक्षा 1 और 2 शामिल हैं।

आधारभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 को जारी की गई थी, जो पाठ्यक्रम, शिक्षकों के प्रशिक्षण, अधिगम शिक्षण सामग्री (एलटीएम) आदि के लिए एक संरचना प्रदान करती है। अपनी स्थापना के बाद से निपुण भारत (राष्ट्रीय बोध पठन और संख्या ज्ञान दक्षता पहल) मिशन की प्रमुख उपलब्धियों का ब्यौरा इस प्रकार है:

कक्षा 1 के लिए 'विद्या प्रवेश' नामक 3 महीने का खेल आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल और दिशानिर्देश' दिनांक 29 जुलाई, 2021 को शुरु किया गया था। विद्या प्रवेश कार्यक्रम का लक्ष्य विभिन्न पृष्ठभूमि (बालवाटिका, आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी), घर पर, निजी प्ले स्कूल आदि) से कक्षा-1 में आने वाले सभी बच्चों में स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना है, ताकि बच्चों का कक्षा-1 में सुचारू रूप से प्रवेश सुनिश्चित किया जा सके। यह एक आनंदमय और उत्तेजक वातावरण में खेल आधारित, आयु और विकासात्मक रूप से उपयुक्त अधिगम अनुभव प्रदान करता है, जिससे बच्चे का साक्षरता-पूर्व, संख्या ज्ञान-पूर्व, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए समग्र विकास होता है। यह कार्यक्रम पूरे देश में कार्यान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 से अब तक 8.9 लाख स्कूलों में 4.2 करोड़ से अधिक छात्रों को लाभ हुआ है।

3-8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक खेल-आधारित अधिगम-शिक्षण सामग्री 'जादुई पिटारा' तैयार की गई है। जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और आधारभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) में परिकल्पित है, दिनांक 20 फरवरी, 2023 को 'जादुई पिटारा' शुरु किया गया था। जादुई पिटारा एक बॉक्स है जिसमें आधारभूत चरण के लिए 53 अधिगम शिक्षण सामग्री (एलटीएम) है। यह 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं और, इसमें छात्रों के लिए खिलौने, खेल, पहेलियाँ, कठपुतलियाँ, पोस्टर, फ्लैशकार्ड, कहानी कार्ड, प्लेबुक आदि और शिक्षकों के लिए हैंडबुक हैं। इसमें एक प्रशिक्षक की पुस्तिका 'उन्मुख' भी शामिल है जो प्रशिक्षकों के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका है जिसमें 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए गतिविधि बैंक है जो भविष्य में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एनसीएफ-एफएस के पंचकोषीय विकास और पाठ्यचर्या लक्ष्यों के

साथ मैप किया गया है। एक्टिविटी बुक 'आनंद' में बच्चों द्वारा उपयोग किए जाने वाले एकीकृत वर्कशीट शामिल हैं।

ई-जादुई पिटारा (ई-जेपी) दिनांक 10 फरवरी 2024 को शुरु किया गया था। ई-जेपी नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ खेल-आधारित शिक्षाशास्त्र का एकीकरण है और जादूई पिटारा के सीखने का प्रसार करने तथा इसे कक्षा की चार दीवारों से परे ले जाने का एक तरीका है। एनईपी 2020 के अनुरूप ई-जेपी, https://ejaaduipitara.ncert.gov.in/ पर ब्राउज़र एक्सेस के साथ वेब-आधारित एप्लिकेशन है। ऐप में वर्तमान में 14 विभिन्न भारतीय भाषाओं में 1,000 से अधिक कहानियां हैं।

एनईपी 2020 और एनसीएफ-एफएस (मूलभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा) सिफारिशों को पूरा करते हुए जुलाई, 2023 में कक्षा 1 और 2 के लिए खेल और कार्यकलाप आधारित पाठ्यपुस्तकें (हिंदी- "सारंगी", अंग्रेजी- "मृदंग", ''गणित- आनंदमय-गणित और आनंदमय-गणित" और उर्दू- "शहनाई") जारी की गई हैं।

कम से कम 10,000 की जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली मातृभाषाओं में मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान के लिए 121 स्थानीय और जनजातीय भाषाओं में प्राइमर्स (मार्च, 2024 में शुरु किए गए) तैयार किए गए हैं।

अधिगम परिणामों के आधार पर बालवाटिका-3 से लेकर कक्षा 2 तक के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के आधार पर तैयार किए गए हैं।

प्राथमिक शिक्षकों तक पहुंच बनाने के लिए अक्टूबर 2020 में दीक्षा प्लेटफॉर्म का उपयोग करके निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) ऑनलाइन शुरु किया गया था और इसका विस्तार सभी स्तर के शिक्षकों तक किया गया था। इसमें बातचीत के लिए अनेक दृष्टिकोण अर्थात् वीडियो के साथ-साथ टेक्सट मॉड्यूल शामिल हैं। वर्तमान में, इसमें 133 भाषाओं (126 भारतीय भाषाओं+7 विदेशी भाषाओं) में सामग्री है। 15.45 लाख से अधिक शिक्षकों ने एफएलएन और ईसीसीई के लिए निष्ठा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

भारत सरकार देश भर में अधिगम और शिक्षा परिणामों को मापने के लिए समय-समय पर बड़े पैमाने पर मूल्यांकन करती है। भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान और सामाजिक

विज्ञान में कक्षा 3, 5, 8 और 10 में छात्रों के अधिगम स्तर का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2017 में और फिर 2021 में आयोजित किया गया था।

प्रत्येक शैक्षिक चरण के अंत में अर्थात् बुनियादी, प्रारंभिक और मिडिल कक्षा 3, 6 और 9 में मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान, भाषा और गणित में छात्रों की अधिगम दक्षताओं का मूल्यांकन करने के लिए परख (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन आकलन, समीक्षा और विश्लेषण) आयोजित किया जाता है। परख प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है।

74,000 स्कूलों, 2.70 लाख शिक्षकों और सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों (ग्रामीण और आकांक्षी जिलों सहित) के 21 लाख छात्रों की भागीदारी के साथ नवीनतम परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 दिनांक 4 दिसंबर, 2024 को आयोजित किया गया था। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार परख 2024 रिपोर्ट को आधिकारिक तौर पर दिनांक 2 जुलाई, 2025 को सार्वजनिक डोमेन में जारी किया गया है। इसे https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en. पर देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के निष्कर्षों से पता चलता है कि एनईपी 2020 में यथा परिकल्पित निपुण भारत मिशन के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हुए, मुलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान कौशल परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। यह दर्शाता है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा 3 में बच्चों का प्रदर्शन शहरी स्कूलों की तुलना में बेहतर है और सरकारी स्कूलों ने मूलभूत स्तर पर निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

नीति आयोग, भारत सरकार ने 2025 में "पैकेज 3 में केंद्र प्रायोजित योजनाओं का मूल्यांकन: शिक्षा क्षेत्र" शीर्षक वाली मूल्यांकन रिपोर्ट में समग्र शिक्षा योजना का विश्लेषण किया है, जिसका निपुण भारत मिशन एक भाग है। *रिपोर्ट में पैरा 5.2.8 में निष्कर्ष और मुख्य शीर्षक के तहत उल्लेख किया गया है कि "समग्र शिक्षा गतिविधि एनईपी 2020 के उद्देश्य, विशेष रूप से एफएलएन, डिजिटल लर्निंग और व्यावसायिक शिक्षा के अनुरुप हैं। बाल वाटिका और समावेशी शिक्षा के प्रयास प्रत्यक्ष रुप से मूलभूत और समानता की जरूरतों की प्रतिक्रिया देते हैं।*

*रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि "समग्र के तहत केंद्रित मूलभूत शिक्षण प्रयास, जिनमें निपुण भारत शामिल है प्राथमिक स्तर पर, विशेष रूप से पठन और मूल संख्याज्ञान में आकलन योग्य सुधार में परिवर्तित हो रहे हैं।"*

*इसके अलावा, रिपोर्ट में पैरा 5.2.9 में कहा गया है कि "योजना के तहत सबसे परिवर्तनकारी बदलाव एक पहुंच-उन्मुख मॉडल से गुणवत्ता-केंद्रित, समावेशी और प्रणालीगत शिक्षा सुधार रूपरेखा में परिवर्तन है। सर्वप्रथम, अधिगम परिणामों की ओर एक स्पष्ट पुनर्विन्यास हुआ है, जिसमें मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन), शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शासन उपकरण कक्षा वितरण और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं..."*

एनबीएम का उद्देश्य कक्षा 2 के अंत में बच्चों में मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान कौशल में सुधार करना है। प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कहा गया है कि शिक्षा प्रणाली की सर्वोच्च प्राथमिकता वर्ष 2026-27 तक प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त करना होगा। इस नीति का बाकी हिस्सा हमारे छात्रों के लिए काफी हद तक अप्रासंगिक होगा, यदि यह बुनियादी शिक्षा (अर्थात बुनियादी स्तर पर पठन, लेखन और अंकगणित) सबसे पहले प्राप्त नहीं किया जाता है। भारत सरकार प्रमुख योजना समग्र शिक्षा के तत्वावधान में एनबीएम के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रगति कर रही है।

*****